भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1378
उत्तर देने की तारीख 11.12.2023

डिजाइन द्विवार्षिक, 2023

1378. श्री प्रतापराव जाधव :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में दिल्ली के लाल किले में भारतीय कला, वास्तुकला और डिजाइन द्विवार्षिक 2023 का आयोजन किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त कार्यक्रम में कौन-कौन से विभिन्न कार्यकलाप और कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं;
(ग) उक्त कार्यक्रम के आयोजन के लक्ष्य और उद्देश्य तथा विषय क्या हैं;
(घ) देश में उक्त कार्यक्रम के आयोजन पर कुल कितना व्यय किया गया है; और
(ङ) क्या सरकार ने उक्त कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देश भर से कलाकारों और क्यूरेटरों को आमंत्रित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): जी, हां। लाल किला, दिल्ली में 9 से 15 दिसम्बर, 2023 तक भारतीय कला, वास्तुकला डिजाइन द्विवार्षिकी, 2023 का आयोजन किया जा रहा है जिसका उद्घाटन कार्यक्रम 8 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किया गया। यह जनता के लिए 31.03.2024 तक खुला रहेगा।

इस द्विवार्षिकी का अभिकल्पन कलाकारों, वास्तुकारों, डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, संग्रहकों, कला पारखियों, क्यूरेटरों, कला व्यावसायिकों, गैलरिस्ट, शैक्षणिक संस्थाओं, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और युवाओं के बीच समग्र रूप से वार्तालाप की पहल करने के उद्देश्य से किया गया ताकि सांस्कृतिक संवाद को सुदृढ़ किया जा सके और उन्हें नये मौके और अवसर प्रदान किए जा सकें। इनमें सात विषय आधारित पैवेलियन हैं जो निम्नानुसार हैं:

दिवस 1: प्रवेश (भारत के द्वार), राइट ऑफ पैसेज

दिवस 2: बाग-ए-बहार (भारत के बाग), ब्रह्मांड के रूप में बाग

दिवस 3: संप्रवाह (भारत की बावड़ियां), समुदायों का संगम

दिवस 4: स्थापत्य (भारत के मंदिर), एंटीफ्रैजाइल एलगोरिथ्म

दिवस 5: विस्मय (स्वतंत्र भारत के वास्तुकीय अचम्भे), क्रिएटिव क्रॉसओवर

दिवस 6: देशज (स्वदेशी डिजाइन), भारत **X** डिजाइन

दिवस 7 : समत्व (वास्तुकला और डिजाइन में महिलाएं), निर्मित को आकार देना।

(ग): भारतीय कला, वास्तुकला डिजाइन द्विवार्षिकी, 2023 का आयोजन इस आशय के साथ किया जा रहा है कि यह एक वैश्विक सांस्कृतिक पहल है और संस्कृति मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम है।

लक्ष्य: सम्पर्क के लिए सांस्कृतिक स्थान और रचनात्मक उद्योगों को सुदृढ़ करना और वैश्विक सांस्कृतिक कूटनीति के लिए कलाओं का लाभ उठाना।

उद्देश्य:

- आयु, जैंडर और विधाओं से परे पारंपरिक, जमीनी स्तर के कारीगरों और समकालीन डिजाइनरों, क्यूरेटरों और विचारकों को प्रदर्शित करना।
- प्राचीन, आधुनिक, समकालीन और तकनीकी प्रधान कला, वास्तुकला और डिजाइन के क्षेत्रों में हमारे देश में उपलब्ध सर्वोत्कृष्ट पहलुओं का कीर्तिगान करना।

(घ): उक्त कार्यक्रम के आयोजन पर कुल 20 करोड़ रुपये (लगभग) का व्यय किया गया है।

(ङ): जी, हां। सरकार ने पूरे देश से कलाकारों और क्यूरेटरों को आमंत्रित किया है जिनका विवरण **अनुलग्नक** पर दिया गया है।

****

अनुलग्नक-I

'डिजाइन द्विवार्षिक, 2023' के संबंध में दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1378 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पूरे देश से कलाकारों और क्यूरेटरों को द्विवार्षिकी के विभिन्न घटकों यथा विषय आधारित पैवेलियन, ओपन कॉल प्रदर्शनियों, कला कार्यशालाओं, आर्ट बाजार, छात्र द्विवार्षिकी और आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केन्द्र (एबीसीडी) में शामिल कारीगरों के भाग के रूप में भारतीय कला, वास्तुकला डिजाइन द्विवार्षिकी (आईएएडीबी) में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है।

विषय आधारित पैवेलियन

प्रत्येक विषय आधारित पैवेलियन में दृश्य कलाकारों, म्यूरल कलाकारों, अधिष्ठापन कलाकारों, ग्राफिक डिजाइनरों और मॉडल निर्माताओं के संबंध में पूरे देश से प्रतिनिधित्व शामिल है। इसके अतिरिक्त, देश के विभिन्न भागों की शैक्षणिक संस्थाओं एवं संगठनों से सात सहयोगात्मक प्रकाशनों के लिए क्यूरेटरों और शोध टीमों की सहायता ली गई है।

ओपन कॉल प्रदर्शनी

प्राप्त हुई 560 प्रविष्टियों में से, देश के सभी भागों से 150 कलाकारों को पूर्णत: क्राउड-सोर्स की गई सार्वजनिक प्रदर्शनी में अपनी कृतियां प्रदर्शित करने का अवसर दिया गया है।

छात्र द्विवार्षिकी

ललित कला अकादेमी में आयोजित की जा रही छात्र द्विवार्षिकी में भाग लेने के लिए 500 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं से 600 से अधिक वास्तुकला विद्यालय और 5000 से अधिक शैक्षणिक डिजाइन छात्र सहभागिता कर रहे हैं।

कला कार्यशालाएं और आर्ट बाजार

अतिरिक्त रूप से, 15 से अधिक कला कार्यशालाओं और आर्ट बाजार में 25 से अधिक कला वस्तुओं की बिक्री करने वाले विक्रेताओं के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

एबीसीडी

20 राज्यों के कारीगरों/शिल्पकारों ने आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केन्द्र में प्रतिनिधित्व किया है।

****